

production of cotton during the 1990-91 cotton season has been estimated at 115 lakh bales by the Cotton Advisory Board as against a production of 133.50 lakh bales during the 1989-90 season.

(c) to (e) After taking into account the closing stock of 30.79 lakh bales at the end of the 1989-90 season, the total availability of cotton during 1990-91 season is placed at 145.79 lakh bales. Against this, the requirement of cotton for mill consumption is placed at 109 lakh bales and that for non-mill consumption is placed at 7.50 lakh bales during the season. The objectives of releasing quotas for export of raw cotton were stabilisation of prices in the domestic market, provision of remunerative prices to the cotton growers and to maintain India's presence in the international market as a stable supplier.

(f) Government have release quotas for export of 12.55 lakh bales during the 1990-91 cotton season.

#### उर्दू भाषा की उन्नति

1258. श्री मोहम्मद अफजल उम्र सोम अकबर : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने को तैयार करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा 1990-91 के वर्ष के दौरान उर्दू भाषा की उन्नति के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) इन प्रयोजन हेतु अनुदान की कितनी राशि स्वीकृत की गयी और

वित्तीय वर्ष 1990-91 के दौरान विभिन्न संस्थाओं/संगठनों को मुक्त किया गया अनुदान (लाख रु० में)

क्रम सं०	संस्था/संगठन का नाम	मुक्त किया गया अनुदान
1	2	3
1.	अन सी उर्दू सम्मेलन नई दिल्ली	1.00
2.	मॉटे सरी स्कूल, जयपुर	0.05
3.	मूर्तु जावीदा एजुकेशनल कल्चर फाउंडेशन आफ साउथ इंडिया, मद्रास	0.11
4.	मौलाना आजाद अकादमी उर्दू प्राच्य भाषा, मद्रास	0.02
5.	अजीज प्रहमद फौज स्मारक संस्थान, हैदराबाद	0.11

किन-किन संस्थाओं को कितनी-कितनी राशि अनुदान के रूप में दी गयी?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अजुन सिंह) : (क) उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग का एक अधिस्थ कार्यलय है, ने उर्दू की प्रोन्नति के लिए अपने सतत रूप से चल रहे कार्यक्रमों को जारी रखा। वर्ष 1990-91 के दौरान ब्यूरो के प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार थे :-

(i) उर्दू में मानविकियों, सामाजिक-विज्ञानों, आर्थिक-विज्ञानों और बाल-साहित्य के विभिन्न विषयों से सम्बन्धित शैक्षिक साहित्य का प्रकाशन;

(ii) देश के विभिन्न भागों में उर्दू सुलेख (कॉलेग्राफी) प्रशिक्षण केन्द्रों की योजना को कार्यान्वित करना;

(iii) उर्दू प्रकाशन तथा अन्य संवर्धक कार्यक्रमों के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता की संस्वीकृति।

केन्द्रीय भारतीय भाषा राजस्थान, मैसूर ने सोलन, पटियाला तथा लखनऊ स्थित अपने क्षेत्रीय केन्द्रों के जरिए उर्दू के अध्यापकों को प्रशिक्षण देना जारी रखा।

(ख) उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो द्वारा जिन

1	2	3
6.	आदर्श फैज-ए-आम शिक्षा सोसायटी, मथुरा।	0.20
7.	भारत बाल समिति, जयपुर	0.05
8.	अंजुमन तरक्की-उर्दू-हिंदू, नई दिल्ली	1.00
9.	देरातुल मारिफ, उस्मानिया, हैदराबाद	1.00
10.	फखरुद्दीन अली स्मारक समिति, नई दिल्ली	0.10
11.	बच्चों का अरबी ग्यास, नई दिल्ली	0.14
12.	गालिब अकादमी, नई दिल्ली	0.30

**सुलेख प्रशिक्षण कर्तों (उर्दू) को युक्त किया गया अनुदान**

13.	आराए, अदवियात-ए-उर्दू ऐवान-ए-उर्दू, हैदराबाद	0.74
14.	जम्मु और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी, श्रीनगर	0.59
15.	अंजुमन-ए-इस्लाम शोध संस्थान, मुम्बई	1.00
16.	बिहार उर्दू अकादमी, पटना	1.07
17.	मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल	0.68
18.	मजलिस-ए-मिल्लिया इस्लामिया, बंगलौर	0.83
19.	अरबी एवं फारसी शोध संस्थान, टोंक	1.48
20.	अंजुमन-ए-तहफुज-ए-उर्दू रासमुलखाट, नागपुर	0.72
21.	मूर्तुजावी एजुकेशनल एंड कल्चर फाउंडेशन आफ साउथ इंडिया, मद्रास	0.75
22.	अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़	0.86
23.	राजस्थान उर्दू अकादमी, जयपुर	0.67
24.	दिल्ली उर्दू अकादमी, नई दिल्ली	1.28
25.	अंजुमन तरक्की-ए-उर्दू, औरंगाबाद	1.41
26.	राज्य सोसायटी, झांडा शहीद, अमरोहा	1.56
27.	मजलीसुन-निसा, सोपीर	1.56
28.	समाज कल्याण शैक्षणिक सोसायटी, मातेगांव	0.71
29.	अंजुमन-ए-तरक्की-ए-उर्दू इस्लामी अरबी कालेज, मुजफ्फरपुर	1.70
30.	अखिल भारतीय उर्दू शैक्षणिक समिति, हैदराबाद	2.16
31.	केरल उर्दू प्रचार समिति, कालीकट	1.01
32.	नेहरू कला विज्ञान एवं वाणिज्य कालेज, हुबली	0.82

1	2	3
33.	दार-उ-सलम, मलेरकोटला . . . . .	0.89
34.	मदरसा-ए-फैजुल उलूम, जमशेदपुर . . . . .	0.46
35.	उर्दू विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद . . . . .	0.73
36.	अंजुमन तरक्की-उर्दू हिंदू मंसूर . . . . .	0.65
37.	जैमियुत्तर रश्द, अजमेरगढ़ . . . . .	0.73
38.	इदारा खिदमत-खलक, देवबंद . . . . .	0.74
39.	मोताना मुहम्मद उस्मान स्मारक सोसायटी देवबंद . . . . .	0.78
40.	जिना अंजुमन तरक्की-ए-उर्दू उर्दू मदरसा तेषिया, धनबाद . . . . .	0.81
41.	उस्मानिया कालेज, कुरुल . . . . .	0.71
42.	गालिब अक़ादमी, नई दिल्ली . . . . .	1.24

कुल योग : 33.42

#### India's low Human Development Index

1259. SHRI RAMDAS AGARWAL:  
Will the the Minister of FINANCE be  
pleased to state:

(a) whether Government are aware that  
India's Human Development Index ranks  
123rd amongst the 160 countries according  
to the 1991 Human Development Report  
released recently by the United Nations  
Development Programme;

(b) if so, what are the real causes of our  
poor socio-economic progress in various  
parts of the country; and

(c) whether Government propose to  
release more funds for the year 1991-92 for  
human development programmes; if so, the  
details thereof and if not, the reasons  
therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE  
MINISTRY OF FINANCE (SHRI  
RAMESHWAR THAKUR): (a) j

Yes, Sir. However, it may be noted that the  
Report also shows that India's rank by the  
Human Development Index is better than its  
ranking by GNP, indicating that on an aver-  
age we have done better in the area of human  
development than other countries at  
comparable level of economic development

(b) There has been appreciable socio-  
economic progress in various parts of the  
country since independence as is borne out  
by improvement in per capita income, life  
expectancy, literacy rate and the percentage of  
population below the poverty line. However,  
the progress made has not been sufficient  
on account of the fact that we started with  
a very poor socio-economic condition at the  
time of independence. Also investible surplus  
required for socio-economic needs of a  
growing population has been inadequate. The  
latter is itself a result of the low level of deve-